Reconstitution of the Indian Jute Development Council

2820. SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news report regarding formation of the Indian Jute Development Council which appeared in the Indian Express dated the 16th November, 1992;

(b) whether Government have recently reconstituted the Indian Jute Development Council, and if so the name and brief back-ground of each member nominated on the council-alongwith the guidelines in this regard and details of the tenure and function of the council; and

(c) whether there is any provision for setting up of the Indian Cotton Textile Development Promotion Council and if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MULLAPPALLY RAMACHANDRAN): (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir. A copy of the Resolution dated 14th September, 1992 containing the composition and details regarding tenure and functions of the reconstituted Indian Jute Development Council is given in the Annexure [*See* Appendix CLXV, Annexure No. 44] Names of the Members of the Council nominated in pursuance of the said Resolution are indicated in the Ministry of Agriculture, Department of Agriculture and Cooperation letter dated 14th September, 1992 read with the subsequent letter dated 27.11.92 (copies given in the Annexures [*See* Appendix CLXV, Annexures Nos. 45 and 46]

(c) No. Sir.

भू-क्षरण

2821. **श्री राम नरेश यादव:** क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान मुख्य रूप से "सागर द्वीप" के आस-पास बड़ी तेजी से हो रहे भू-क्षरण की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या "सागर द्वीप" जैसे अन्य छोटे-छोटे द्वीपों के निकट कई स्थानों पर भू-क्षरण का खतरा पैदा हो गया है; और

(ग) यदि हां, तो उक्त द्वीपों को समुद्र में जलमग्न होने से बचाने के लिए सरकार द्वारा किये गये उपायों का ब्यौरा क्या है?

जल संसाधन मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल): (क) और (ख) तटरेखा के साथ साथ कटाव होना एक प्राकृतिक घटना है। समुद्रवर्ती राज्यों द्वारा बंगाल की खाड़ी में तटरेखा के साथ-साथ छिटपुट कटावों की सूचना दी गयी है। सागर द्वीप के पश्चिमोत्तर भाग में और दीघा तट के निकट गंभीर कटाव की सूचना प्राप्त हुई है।

(ग) पश्चिम बंगाल सरकार ने अब दीघा और सागर द्वीप में तटरेखा को सुरक्षा प्रदान की है। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकार ने सुन्दरवन और 24 परगना और मिदनापुर जिलों में तटीय पहुंचों के तटों और ज्वार नदमुखीय सुरक्षा के लिए लगभग 330 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत की एक स्कीम की रूपरेखा तैयार की है। इस स्कीम में 180 किलोमीटर लम्बाई तक समुद्र की दीवारों के निर्माण की परिकल्पना की गयी है। जांच के पश्चात् राज्य सरकार को केन्द्रीय जल आयोग द्वारा प्रत्येक स्थल के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की सलाह दी गयी है जिससे उनके निष्पादन की प्राथमिकताएं निर्धारित करने के साथ-साथ उनकी तकनीकी आर्थिक व्यवहार्यता भी स्थापित की जा सके।

Upliftment of Fishermen

2822. SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government have formulated a number of schemes for the